देवा इन्टरनेशनल सोसाइटी फार चाइल्ड केयर, (डिस्क)
बी 21/100,बिन्द भवन कमच्छा चुंगी,वाराणसी,
प्रगति – अभिलेखन
वर्ष 2020 – 2021

देवा इन्टरनेशनल सोसाइटी फार चाइल्ड केयर, की स्थापना सन् 1991 में वाराणसी में की गयी। संस्था सोसाइटी एक्ट 21,1860 के अर्न्तगत पंजीकृत हैं। तथा उत्तर प्रदेश शासन के विकलांग विभाग के समान अवसर अधिकारों का संरक्षण एंव पूर्णभागीदारी अधिनियम 1995 की धारा 52 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड हैं। लधु उघोग केन्द्र से संस्था को विभिन्न लधु उघोग में प्रशिक्षण एंव पुर्नवास हेतु लाइसेंस प्राप्त हैं। संस्था द्वारा संचालित विद्यालय उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा प्राथमिक स्तर तक मान्यता प्राप्त हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन नेशनल ट्रस्ट द्वारा संस्था को मान्यता प्राप्त हैं।

संस्था का कार्यालय :– बी 21/100,बिन्द भवन कमच्छा चुंगी, वाराणसी–221010,, मो0 न0 9129853531

संस्था का उद्देश्य :–

1–विकलांगों के शिक्षण एंव प्रशिक्षण हेतु स्कूल, अन्य शैक्षणिक संस्थानों एंव प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना एवं संचालन करना।

2– विकलांगों के पुनर्वास कल्याण और उत्थान हेतु योजनाओं/कार्यक्रमों का संचालन करना।

3– विकलांगता निवारण उपायों एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।

4– शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु सामान्य स्कूलों एंव शैक्षिणक संस्थानों की स्थापना एवं संचालन करना तथा आवश्यकतानुसार विकलांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ एकीकृत करके समाज की मुख्य धारा से जोड़ना।

5– बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु योजनाओ/कार्यक्रमों का आयोजन एंव संचालन करना।

6– बच्चों विशेषकर ग्रामीण, आदिवासी एंव पिछड़े क्षेत्र के बच्चों के विकास हेतु योजनाओं/कार्यक्रमों का संचालन करना।

7– समाज के कमजोर वर्गो जैसे महिलाओं अनुसूचित जातियों, जन जातियों ,अन्य पिछडा वर्गों के लोगों के कल्याण एवं उत्थान के लिए योजनाओं /कार्यक्रमों का संचालन करना।

8– वृद्ध लोगों के देखभाल एवं कल्याण हेतु योजनाओं/कार्यक्रमों का आयोजन करना।

9– समाज में बढतें हुए नशाखोरी को खत्म करने के लिए हर सम्भव उपाय करना तथा नशे के गिरफ्त में फंसे लोगों के लिए परामर्श पुनर्वास आदि केन्द्रों का संचालन करना।

10–स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन करना तथा स्वास्थ्य, चिकित्सा, पुनर्वास आदि क्षेत्रों में अनुसंधानों, सेमिनारो, गोष्ठियों आदि का आयोजन कर संचालन करना एवं इस क्षेत्र में मानव संसाधनों के विकास एंव प्रशिक्षण हेतु पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को आयोजन करना।

11– पर्यावरण संरक्षण तथा परिस्थिति विकास के लिए योजनाओं/कार्यक्रमों का आयोजन संचालन करना।

राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन :– विकलांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की भॉति मुख्य धारा से जुड़ कर भारतवर्ष के विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मना सकते हैं। इसी भावना से ओतप्रोत होकर प्रबुद्ध नागरिक,समाज सेवी संस्थाओं एंव क्लबों के सहयोग से देवा इन्टिग्रेटेड स्कूल फार द हैण्डीकैप्ड कमच्छा के प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, बाल दिवस, गांधी जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती, बड़े घूमधाम से मनाया गया। संस्था द्वारा संचालित अन्नपूर्णा सेन्टर, में भी उपरोक्त दिवसों एंव जयन्तियों को बड़े घूमधाम से मनाया गया।

राष्ट्रीय पर्वो का आयोजन :– संस्था द्वारा एवं उसके सभी परियोजनाओं ने विभिन्न राष्ट्रीय पर्वो के कार्यक्रमों के आयोजनों के अन्तर्गत विभिन्न धर्मो के राष्ट्रीय पर्वो को धर्म निरपेक्षता के भाव को ध्यान में रखते हुए बड़े घूमधाम से मनाया जिसमें होली मिलन समारोह, दीपावली, नववर्ष, ईद मुबारक, विजयादशमी, क्रिसमस प्रमुख हैं। इन कार्यक्रमों में न केवल बच्चों, अभिभावकों ने भाग लिया बल्कि प्रबुद्ध नागरिकों समाज सेवी संस्थाओं एंव प्रशासनिक अधिकारियों ने भी भाग लिया।

नेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित दिशा एवं विकास परियोजना के अन्तर्गत चार दिव्यांगताओं (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता, एकाधिक विकलांगता) के बच्चों को वर्ष पर्यन्त करायी जानें वाली गतिविधियों की दिव्यांगता सहित सूची :—

चार दिव्यांगताओं के बच्चों की सूची एवं उनकी गतिविधियां वर्षवार :—

ऑटिज्म के बच्चे = **5**

नाम = शुभम जायसवाल
अमन वर्मा
आदित्य श्रीवास्तव
अनिरूध मौर्या
यश सिंह

सम्मिलित गतिविधियां

Disability	**ADL**	**Social**	**Academic**	**Recreational**	**Speech Therapist**	**OT/Yoga/ Meditation**
Autism	Wearing Mask. Clean hands, and Sanities her hands, before fooding and after fooding. Personal care	Following the instruction by giving their parents and Social Distancing, Phone Receiving, Video Calling, Typing Text Message	Drawing and Painting, Money Counting, Watching Clock, Card Making	Watching TV, Listening music and Dance, Playing Ludo, Carram, Badminton	Water Gargle with normal worm water. Breathing High and Low	Deva Prayer, Yoga & Pranayam, Exercise, Meditation

इसके अतिरिक्त प्रत्येक बच्चों के अक्षमता को देखते हुए उनकी अलग अलग गतिविधियां है। यह आकड़ा सिर्फ एक सम्मिलित प्रारूप है जिसे आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

सेरेब्रल पाल्सी = **5**

नाम = शुभम पाण्डेय
मुस्कान
प्रकाश वर्मा
हर्षित साहनी
समृधि त्रिपाठी

सम्मिलित गतिविधियां

Disability	ADL	Social	Academic	Recreational	Speech Therapist	OT/Yoga/ Meditation
CP	Wearing Mask. Clean hands, and Sanities her hands, before fooding and after fooding. Brushing	Following the instruction by giving their parents	Pattern 3 C – Cooperation Communication and Command, Eye to Eye Contact and scribbling	Watching TV, Listening music and Dance, Playing Indoor game, Switch on the Mobile	Water Gargle with normal worm water. Breathing High and Low	Deva Prayer, Yoga & Pranayam, Exercise, Meditation

इसके अतिरिक्त प्रत्येक बच्चों के अक्षमता को देखते हुए उनकी अलग अलग गतिविधियां है। यह आकड़ा सिर्फ एक सम्मिलित प्रारूप है जिसे आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

मानसिक मंदता = **21**

नाम = अमन रावत
अपूर्वा राय
अश्विन कटियार
निष्कर्ष दूबे
रंजीत निगम
रिषि मिश्रा
रूद्राक्ष सिंह रावत
रिमझिम वर्मा
अदिति मिश्रा
अमन मौर्या

दिव्या राय
हार्दिक मौर्या
निधि पटेल
कनक पाण्डेय
अमरजीत यादव
जय कुमार
तनु केशरी
तनीषा वालेचा
तयब अली
सूरज वर्मा
सुनीता दास

सम्मिलित गतिविधियां

Disability	ADL	Social	Academic	Recreational	Speech Therapist	OT/Yoga/ Meditation
MR	Wearing Mask. Clean hands, and Sanities her hands, before fooding and after fooding. Brushing	Following the instruction by giving their parents and Social Distancing, And Cleaning the room and giving water to his parents	Pattern 3 C – Cooperation Communication and Command, Eye to Eye Contact and Picture Reading	Watching TV, Listening music and Dance, Playing Indoor game	Water Gargle with normal worm water. Breathing High and Low	Deva Prayer, Yoga & Pranayam, Exercise, Meditation

इसके अतिरिक्त प्रत्येक बच्चों के अक्षमता को देखते हुए उनकी अलग अलग गतिविधियां है। यह आकड़ा सिर्फ एक सम्मिलित प्रारूप है जिसे आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

एकाधिक विकलांगता = 0

नेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित
दिशा एवं विकास परियोजना के अन्तर्गत
सामाजिक जन चेतना कार्यक्रम, प्रदर्शनी, संगोष्ठी, कार्यशाला का आयोजन एंव संचालन

अप्रैल – दिसम्बर – पूरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के वजह से आये संकट की वजह से लॉकडाउन के समय लोगों तक खाद्य सामग्री पहुँचानें के लिए संस्था द्वारा जिला वाराणसी में खाद्य सामग्रीयों का निःशुल्क वितरण किया गया जिसमें दिशा एवं विकास में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अत्यन्त गरीब बच्चों के परिवारों को राशन, सेनिटाइजर एवं मास्क वर्ष पर्यन्त निःशुल्क वितरण किया गया तथा अन्य सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान की गयी।

अप्रैल – दिसम्बर – दिशा एवं विकास के सभी बच्चों को ऑनलाइन क्लासेस के अलावा देवा केन्द्र के शिक्षकों के द्वारा प्रतिमाह लगातार हाउस विजिट कराया गया और समय समय पर हाउस विजिट करके उनका मेडिकल चेकप भी कराया गया एवं उन्हें स्वास्थ्य सम्बन्धी तथा करोना के बचाव सम्बन्धी जानकरियां भी प्रदान की गयी।

15 अगस्त – कोरोना महामारी की वजह से लगे लॉकडाउन की स्थिति में देवा इन्टरनेशनल सोसाइटी फार चाइल्ड केयर द्वारा स्वतंत्रता दिवस का वर्चुवल सेलिब्रेशन किया गया जिसमें सभी स्टाफों एवं दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों द्वारा घर पर रहकर ही एक ही समय पर अपनें अपनें घरों में झण्डा रोहण किया और एक दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

15 सितम्बर – देवा इन्टरनेशनल सोसाइटी फार चाइल्ड केयर, वाराणसी के प्रांगण में दिव्यांग बच्चों को दिये जाने वाले टीचिंग लर्निंग मेटेरियल के उपयोग के सम्बन्ध में संस्था के स्टाफ सदस्यों को इस किट का उपयोग करानें हेतु मीटिंग रखी गयी।

17 सितम्बर – व्यापार मण्डल कार्यालय लालपुर में दिव्यांग बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार के दिव्यांगता से सम्बन्धित किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात में दिशा एवं विकास के दिव्यांग बच्चों एवं वयस्को द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के अंत में बच्चों को किट प्रदान किया गया।

7,8,9 नवम्बर को देवा सेन्टर के प्रांगण में 3 दिवसीय दीपशिखा मेले का आयोजन किया गया जिसमें दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गयी विषय वस्तुओं को बेचनें हेतु स्टाल लगाया गया ताकि दिव्यांग बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

3 दिसम्बर विश्व हैण्डीकैप्ट डे दिवस को देवा सेन्टर के देवा सेन्टर के विशेष शिक्षकों द्वारा एक दिवसीय जनजागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें जिले के ब्लॉक, आराजी लाईन एवं अन्य जगहों पर जाकर जागरूकता सम्बन्धित पर्चे बांटे गये।

30 दिसम्बर को संस्था के प्रांगण में केक काटकर नेशनल ट्रस्ट फाउण्डेशन डे मनाया गया तथा कुछ बच्चों को ठण्ड को देखते हुए बच्चों को स्वेटर प्रदान किया गया।

जनवरी 2021 – मार्च 2021– पूरे विश्व में फैले कोरोना महामारी के वजह से आये संकट की वजह से लॉकडाउन के समय लोगों तक खाद्य सामग्री पहुँचानें के लिए संस्था द्वारा जिला वाराणसी में खाद्य सामग्रीयों का निःशुल्क वितरण किया गया जिसमें दिशा एवं विकास में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अत्यन्त गरीब बच्चों के परिवारों को राशन, सेनिटाइजर एवं मास्क निःशुल्क वितरण किया गया तथा अन्य सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान की गयी।

जनवरी 2021 – मार्च 2021– दिशा एवं विकास के सभी बच्चों को ऑनलाइन क्लासेस के अलावा देवा केप्द्र के शिक्षकों के द्वारा प्रतिमाह लगातार हाउस विजिट कराया गया और समय समय पर हाउस विजिट करके उनका मेडिकल चेकप भी कराया गया एवं उन्हें स्वास्थ्य सम्बन्धी तथा करोना के बचाव सम्बन्धी जानकरियां भी प्रदान की गयी।

2 जनवरी को सेन्ट जान्स स्कूल, डी.एल.डब्ल्यू. में लुई ब्रेल्स डे के अवसर पर देवा सेन्टर के बच्चों एवं वयस्कों नें रंगारंग कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किया।

26 जनवरी गणतंत्रता दिवस के अवसर पर देवा सेन्टर के बच्चों एवं वयस्कों ने सम्मिलित रूप से देवा के प्रांगण में आकर झण्डारोहण के कार्यकम में अपनी भगीदारीता दिखाई। संस्था के अध्यक्ष डा0 तुलसी द्वारा झण्डारोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

17 से 21 फरवरी को देवा केन्द्र के स्पेशल टीचर्स को खुशीपुर स्थित अमरावती पुरूषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग विकास संस्थान पर 4 दिवसीय ट्रेनिंग हेतु भेजा गया जिसका विषय डिसलेक्सिया एवं एडीएचडी के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करना था।

3 से 4 मार्च को दुर्गाकुण्ड स्थित कबीर नगर के पार्क न0 3 में दो दिवसीय फगुआ मेले का आयोजन किया गया जिसमें देवा सेन्टर सहित अन्य संस्थाओं नें भी भाग लिया। इस मेले का उद्देश्य दिव्यांगो द्वारा बनाई गयी सामग्रीयों को जनसाधारण को विक्रय कराना था ताकि दिव्यांग बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

21 मार्च को कोविड 19 लॉकडाउन के उपरान्त पूरी सावधानियों को बरतते हुए इस वर्ष भी विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस की पूर्व संध्या पर अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वाराणसी के प्रबुद्व नागरिक, डाउन सिन्ड्रोम के बच्चों नें भाग लिया । डा0 तुलसी वरिष्ठ चिकित्सा मनोवैज्ञानिक एवं देवा केन्द्र के निदेशक द्वारा डाउन सिन्ड्रोम बच्चों की पहचान , ट्रेनिंग एवं पुनर्वास के सन्दर्भ में कार्यशाला तथा श्री श्याम लाल, सेकेटरी डिस्क एवं वरिष्ठ स्पेशल एडुकेटर द्वारा सरकारी तौर पर ऐसे बच्चों को दी जानें वाली सुविधाओं के बारे मे अवगत कराया।

विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस
21 मार्च 2021